अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

दो वर्षीय एम.ए.डिग्री प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

एम.ए. (हिंदी) सेमेस्टर -I

हिंदी विभाग

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(2023-24)

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2023 पैटर्न)

(एनईपी 2020 के अनुसार)

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक: प्रथम वर्ष कला (हिंदी)

प्रस्तावना

अनेकांत एजुकेशन सोसायटी के तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), **2020** में उल्लिखित दिशानिर्देशों और प्रावधानों को शामिल करते हुए जून, **2023** से विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रम को बदलने का निर्णय लिया है। एनईपी सामान्य (अकादमिक) शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल पर आधारित शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देकर समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का परिचय देता है जो छात्रों में रुचि विकसित करने में मदद करेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के कारण हिंदी और संबंधित विषयों को विकसित दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर, तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती-पुणे के हिंदी अध्ययन मंडळ ने एम.ए.(हिंदी) के प्रथम सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया है। जो पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे है। पाठ्यक्रम को एनईपी **2020** दिशानिर्देशों के साथ संरेखित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को ऐसी शिक्षा मिले जो उन्हें चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करे।

हिंदी विषय की उपाधि छात्रों को ज्ञान और कौशल के साथ सुसज्जित करती है जो कैरियर को पूरा करने के लिए आवश्यक है। हिंदी में स्नातक छात्रों को ज्ञान प्रदान करने के साथ स्वस्थ मनोविनोद एवं मनोरंजन की शिक्षा देना, हिंदी भाषा-शैली से अवगत कराना, हिन्दी साहित्य एवं भाषा के प्रति अनुराग का विकास करना, जीवन के प्रति यथार्थता एवं स्वाभाविकता का बोध कराना, आदर्श जीवन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, विचार , कल्पना शक्ति, तर्क शक्ति का विकास करना, भावनात्मक तथा चारित्रिक गुणों को विकसित करना, सामाजिकता एवं राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना, साहित्य का अन्तिम उद्देश्य सत्यं -शिवं-सुंदरं की प्राप्तिकरना आदि मानवीय तथा नैतिक मूल्यों को विकसित कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशते हैं।

कुल मिलाकर, एनईपी **2020** के अनुसार हिंदी पाठ्यक्रम को संशोधित करना सुनिश्चित करता है कि छात्रों को प्रासंगिक , व्यापक शिक्षा मिले और उन्हें आज की गतिशील बनाने के लिए तैयार किया गया है । यह उन्हें समाज में सार्थक योगदान देने और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

PSO1.इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा की प्रारंभिक स्तर से अबतक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

PSO2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावसायिक पक्षों को भी जाना जा सकेगा।

PSO3.उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका और उससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।

PSO4.छात्र हिंदी भाषा सीखने की प्रक्रिया में भाषागत व्याकरणिक रूप को जान सकेंगे।

PSO5.व्यवसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा , अनुवाद, कंप्यूटर जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर रोजगार के लिए आवश्यक योग्यता का विकास किया जा सकेगा।

PSO6.साहित्य की कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

PSO7.साहित्य के सौंदर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना।

PSO8.लेखन के माध्यम से छात्रों में लेखन कौशल विकसित होगा।

PSO9.छात्रों में मानवीय मूल्यों को विकसित करना।

PSO10.छात्रों में शोध के प्रति जागरूकता को बढ़ा सकेंगे।

PSO11.सोशल मीडिया के माध्य मों से छात्र परिचित होंगे , जिससे लेखन, निवेदन कौशल विकसित कर उन्हें रोजगार का सुअवसर प्रदान होगा।

PSO13.छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद का बढ़ते महत्व से परिचित होंगे।

PSO14.छात्र लघु फिल्म का लेखन और निर्माण कर सकेंगे ।

PSO15.हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइटों का प्रयोग की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

PSO16.छात्र निवेदन कौशल के माध्यम से आकाशवाणी, दूरदर्शन पर रोजगार के सुअवसर प्राप्त कर पाएंगे ।

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for M.A. Programme

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :** वैज्ञानिक साहित्य का अनुमान लगाएं, जांच की भावना पैदा करें और परिकल्पना और शोध प्रश्नों को तैयार करने, परीक्षण करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और स्थापित करने में सक्षम हों और उत्तर खोजने के लिए प्रासंगिक स्रोतों की पहचान करना और उनसे परामर्श करना। शिक्षा विदों और अनुसंधान नैतिकता, वैज्ञानिक आचरण पर जोर देते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक शोधपत्र/परियोजना की योजना बनाने और लिखने में सक्षम बने।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक चिंता और समानता केंद्रित राष्ट्रीय विकास का प्रदर्शन करें और नैतिक और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करें और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध हों।
PO3	**सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :** समूह सेटिंग्स में दूसरों के विचारों को समायोजित करने और अपनी राय और जटिल विचारों को लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करें। विचारों और विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करें, उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, वैश्विक दक्षताओं को पूराकरने के लिए प्रभावी इंटरैक्टिव और प्रस्तुतीकरण कौशल का निर्माण करें। दूसरों के विचार प्राप्त करें, जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें और समझने में मदद करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने और अंतः विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए एक टीम के हिस्से के रूप में स्वतंत्र रूप से और सहयोगात्मक रूप से प्रदर्शन करें। पारस्परिक संबंध, आत्म-प्रेरणा और अनुकूलनशीलता कौशल निष्पादित करें और प्रतिबद्ध रहें।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** सामाजिक-तकनीकी परिवर्तनों के व्यापक संदर्भ में आत्म-निर्धारित लक्ष्यों को उत्साहपूर्वक प्राप्त करनेवाले जीवनभर सीखनेवाले बने रहने के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें। व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवनभर सीखने में संलग्न रहने कीक्षमता हासिल करें।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और टिकाऊपन के ज्ञान और आवश्यकता को प्रदर्शित करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** अपने आस-पास की स्थितियों की बारीकी से जांच करके समस्याओं की पहचान करें और घटनाओं के बारे में समग्र रूप से सोचें और इन समस्याओं का व्यवहार्य समाधान निकालें। आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और वैज्ञानिक ग्रंथों को समझें और वैज्ञानिक बयानों और विषयों को संदर्भों में रखें और सामान्य सम्मेलनों के संदर्भ में उनका मूल्यांकन भी करें। स्थिति को बारीकी से देखकर समस्या को पहचान लें कार्रवाई और पार्श्वसोच और विश्लेषणात्मक कौशल को लागू करें।

अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(2022-23 से 2024-25 तक)

अ.क्र.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. प्रदीप सरवदे	अध्यक्ष एवं विभाग प्रमुख
2.	डॉ. प्रतिभा जावले	सदस्य
3.	डॉ. नितिन धवडे	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
4.	डॉ. अपर्णा कुचेकर	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
5.	डॉ. राजेंद्र श्रीवास्तव	प्रोद्योगिकी प्रतिनिधि
6.	डॉ. मनोहर जमदाडे	भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि
7.	डॉ. राजेंद्र खैरनार	निमंत्रित प्रतिनिधि
8.	डॉ. संदीप पवार	सदस्य
9.	प्रा. ऐश्वर्या वाघमारे	सदस्य
8.	कु. पूजा अदागले	छात्र प्रतिनिधि
9.	कु. रजनी पवार	छात्र प्रतिनिधि

Credit Distribution Structure for M.A.-I 2023-2024 (Hindi)

<table>
<tr><th rowspan="2">Year (2 Year PG)</th><th rowspan="2">Level</th><th rowspan="2">Sem. (2 Yr)</th><th colspan="2">Major</th><th rowspan="2">Research Methodology (RM)</th><th rowspan="2">OJT/ FP</th><th rowspan="2">RP</th><th rowspan="2">Cum. Cr.</th><th rowspan="2">Degree</th></tr>
<tr><th>Mandatory</th><th>Electives</th></tr>
<tr><td rowspan="9">I</td><td rowspan="9">6.0</td><td rowspan="4">Sem-I</td><td>HIN-501-MJM – प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो और रहीम) (Credit 04)</td><td rowspan="4">HIN -511- MJE विशेष साहित्यकार - कबीर (Credit 04)</td><td rowspan="4">HIN -521-RM अनुसंधान प्रविधि (Credit 04)</td><td rowspan="4">--</td><td rowspan="4">--</td><td rowspan="4">22</td><td rowspan="10">PG Diploma (after 3 Year Degree)</td></tr>
<tr><td>HIN -502-MJM - आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी) (Credit 04)</td></tr>
<tr><td>HIN -503-MJM- भारतीय साहित्यशास्त्र (Credit 04)</td></tr>
<tr><td>HIN -504-MJM- अनुवाद : स्वरुप एवं व्यवहार (Credit 02)</td></tr>
<tr><td colspan="7"></td></tr>
<tr><td rowspan="4">Sem-II</td><td>HIN -551-MJM - मध्ययुगीन हिंदी काव्य (जायसी, बिहारी, भूषण) (Credit 04)</td><td rowspan="4">HIN -561- MJE विशेष विधा - हिंदी उपन्यास (Credit 04)</td><td rowspan="4">--</td><td rowspan="4">HIN -581- OJT/ FP Credit 04</td><td rowspan="4">--</td><td rowspan="4">22</td></tr>
<tr><td>HIN -552-MJM- हिंदी नाटक और रंगमंच (Credit 04)</td></tr>
<tr><td>HIN -553-MJM - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र (Credit 04)</td></tr>
<tr><td>HIN -554-MJM- पटकथा लेखन (Credit 02)</td></tr>
<tr><td colspan="3">Cum. Cr. For PG Diploma</td><td>28</td><td>8</td><td>4</td><td>4</td><td>--</td><td>44</td></tr>
</table>

Course Structure for M.A.Hindi (2023 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
I	Major (Mandatory)	HIN-501-MJM	प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो और रहीम)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -502-MJM	आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -503-MJM	भारतीय साहित्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -504-MJM	अनुवाद : स्वरुप एवं व्यवहार	Theory	02
	Major (Elective)	HIN -511-MJE	विशेष साहित्यकार - कबीर	Theory	04
	Research Methodology (RM)	HIN -521-RM	अनुसंधान प्रविधि	Theory	04
	Total Credits Semester I				**22**
II	Major (Mandatory)	HIN -551-MJM	मध्ययुगीन हिंदी काव्य (जायसी, बिहारी, भूषण)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -552-MJM	हिंदी नाटक और रंगमंच	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -553-MJM	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -554-MJM	पटकथा लेखन	Theory	02
	Major (Elective)	HIN -561-MJE	विशेष विधा - हिंदी उपन्यास	Theory	04
	On Job Training (OJT)/Field Project (FP)	HIN -581-OJT/FP	On Job Training/Field Project relevant to the major course.	Training/ Project	04
	Total Credits Semester-II				**22**
Cumulative Credits Semester I and II					**44**

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.] SEMISTER – I

Major – प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य(अमीर खुसरो तथा रहीम)

PAPER CODE :HIN-501-MJM

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -I**
Semester	**: I**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**:प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य (अमीर खुसरो तथा रहीम)**
Course Code	**: HIN-501-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**:** 04

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. हिंदी साहित्य की आदिकालीन तथा भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना ।
2. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य-कृतियों का परिचय कराना।
3. प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों की काव्य कला से छात्रों को अवगत कराना।
4. छात्रों को हिंदी की प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित कराना।
5. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी भाषा से अवगत कराना।
6. छात्रों में प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।
7. प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य का रसास्वादन कराना।

B) अपेक्षित परिणाम(Course Outcomes) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य से परिचित होंगे।

CO2-छात्रों में साहित्य के द्वारा नैतिक मूल्य आत्मसात होंगे।

CO3-भक्ति तथा प्रेम का महत्व आत्मसात होंगा।

CO4-मध्ययुगीन संस्कृति से परिचित करना।

CO5-मध्ययुगीन कवियों के भाषा से परिचित करना।

CO6-मध्ययुगीन कवियों के विचार पढ़कर भावग्रहण तथा रस ग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO7-मध्ययुगीन कवियों के वीर काव्य से परिचित करना।

पाठ्यक्रम

Major – प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य(अमीर खुसरो तथा रहीम)

PAPER CODE :HIN-501-MJM

पाठ्यपुस्तकें : 1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य
संपादक: डाॅ. भोलानाथ तिवारी
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड, नई दिल्ली - 110 002
2)रहीम ग्रंथावली: दोहावली
संपादक : विद्यानिवास मिश्र,गोविंद रजनीश
प्रकाशक: वाणी प्रकाशन 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली

इकाई नं.1:ससंदर्भ व्याख्या के लिए रचनाएँ: 15 तासिकाएं

अ) पहेलियाँ -1. अंतर्लिपिका - 2, 7, 15, 2. बहिर्लिपिका - 2, 13,
आ) मुकरियाँ - 1, 11, 19, इ) दो सखुन - 10 ई) ढकोसले - 07
उ) कव्वाली - 02 ऊ) निसबते -10

इकाई नं. 2 :रहीम ग्रंथावली: दोहावली 15 तासिकाएं
(1 से 50 दोहे)

इकाई नं. 3 :अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

1. अमीर खुसरो-व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. अमीर खुसरो के गीतों में संवेदनशीलता
3. अमीर खुसरो की रचनाओं में लोकरंजकता
4. अमीर खुसरो का खड़ीबोली हिंदी के विकास में योगदान
5.अमीर खुसरो की भाषा तथा काव्य कला
6.अमीर खुसरो की देन - कव्वाली

इकाई नं. 4 :अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

7. रहीम व्यक्तित्व एवं कृतित्व
8. रहीम के काव्य नीति
9. रहीम के काव्य में सांैदर्य वर्णन
10. रहीम के काव्य में कल्पना और यथार्थ
11. रहीम के काव्य में भाषा
12. रहीम के काव्य भावपक्ष और कलापक्ष

संदर्भ ग्रंथ:

1. अमीर खुसरो - डॉ. हरदेव बाहरी
2. खुसरो की हिंदी कविता- ब्रजरत्न दास
3. अमीर खुसरो - भोलानाथ तिवारी
4. रहीम ग्रथावली - विद्यानिवास मिश्र, गोविंद रजनिश
5. मध्यकालीन कविता का पाठ - डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल
6. काव्य पराग - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
7. रहीम - रामनरेश त्रिपाठी
8. हिंदी के प्राचीन कवि - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
9. हिंदी के प्रतिनिधि कवि - डॉ. सुरेश अग्रवाल

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-501-MJM

Tittle of Course : प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1			2						
CO 2		2							
CO 3			2						
CO 4				3		2			
CO 5									
CO 6					3				
CO 7					3	3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO2- छात्रों में साहित्य के द्‌वारा नैतिक मूल्य आत्मसात होंगे ।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य से परिचित होंगे।

CO3- भक्ति तथा प्रेम का महत्व आत्मसात होगा।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO6-मध्ययुगीन कवियों के विचार पढ़कर भावग्रहण तथा रस ग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO7-मध्ययुगीन कवियों के वीर काव्य से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO7- मध्ययुगीन कवियों के वीर काव्य से परिचित करना।

CO6-- मध्ययुगीन संस्कृति से परिचित करना।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

<u>स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला</u>[M.A.] SEMISTER – I

Major – आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)

PAPER CODE :HIN-502-MJM

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -I**
Semester	**:I**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**:आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)**
Course Code	**: HIN-502-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप परिचय देना।
4. ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझाने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
5. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।
6. गद्य विधा के माध्यम से विभिन्न परिस्थितियों से रूबरू करना।
7. गद्य साहित्य के प्रति रुचि को बढ़ावा देना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):

CO1-पढ़ी-सुनी रचनाओं को जानने समझने तथा अभिव्यक्त करने में सहायता मिलेंगी।

CO2-छात्रों में साहित्य के द्वारा मानवीय मूल्य विकसित हांेगे।

CO3-गद्य विधाओं को पढ़कर समझ निर्माण होंगी और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेंगी।

CO4-गद्य विधाओं को पढ़कर लेखन क्षमता विकसित होंगी।

CO5-गद्य विधाओं में चित्रित हिंदी की अन्य भाषा तथा बोली से परिचित करना।

CO6-गद्य विधाओं को पढ़कर राष्ट्रप्रेम तथा राष्ट्रभक्ति विकसित होंगी।

CO7-गद्य विधाओं को पढ़कर भावग्रहण तथा रस ग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।

पाठ्यक्रम

Major – आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)

PAPER CODE :HIN-502-MJM

पाठ्यपुस्तकें : 1) उपन्यास - 'अकाल में उत्सव' : पंकज सुबीर

प्रकाशक: शिवना प्रकाशन, सम्राट काम्प्लैक्स, सीहोर- 466001(म.प्र.)

2) कहानी दशक - संपादन-हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणेविश्वविद्यालय,पुणे

प्रकाशक: परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई

इकाई नं.1 :अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

1. हिंदी उपन्यास विधा का सामान्य परिचय
2. हिंदी उपन्यास का विकास
3. विवेच्य रचनाकार का व्यक्तित्व एव ंकृतित्व
4. 'अकाल में उत्सव': तात्विक विवेचन

इकाई नं.2:अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

5. 'अकाल में उत्सव': संवेदनाएँ
6. 'अकाल में उत्सव': विभिन्न समस्याएँ
7. 'अकाल में उत्सव': पात्रों का चरित्र चित्रण
8. 'अकाल में उत्सव': शिल्प पक्ष
9. 'अकाल में उत्सव': शीर्षक की सार्थकता

इकाई नं.3:अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

1. हिंदी कहानी विधा का विकास
2. कहानी विधा के तत्व तथा आलोचना: हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के संदर्भ में

हिंदी श्रेष्ठ कहानियाँ

1. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. आकाशदिप - जयशंकर प्रसाद
3. गैंग्रीन - अज्ञेय

इकाई नं.4: 15 तासिकाएं

4. सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती
5. साजिश- सूरजपाल चैहान
6. जंगल गाने लगा - अंकुश्री
7. दूसरा ताजमहल - नासिरा शर्मा
8. दुख - यशपाल

संदर्भ ग्रंथ:

1. अट्ठारह उपन्यास: राजेंद्र यादव
2. हिंदी उपन्यास: सौ वर्ष-संपा. रामदरश मिश्र
3. समकालीन हिंदी उपन्यास- डॉ.विवेकी राय
4. उपन्यास: स्थिति और गति- डॉ. चंद्रेकांत बांदिवडेकर
5. आज का हिंदी उपन्यास- डॉ.इंद्रनाथमदान
6. आज का हिंदी उपन्यास- डॉ.इंद्रनाथमदान
7. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि: डॉ..सत्यपाल चुघ
8. नई कहानी का स्वरूप विवेचन- डॉ. इंदु रश्मि
9. नई कहानी के विविध प्रयोग- शशि भूषण पाण्डेय शीतांषु
10. समकालीन हिंदी कहानी- डॉ. पुष्पपाल सिंह
11. नई कहानी की भूमिका-कमलेश्वर
12. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति-देवीशंकर अवस्थी
13. उत्तर शती का हिंदी साहित्य-संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन
14. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य - डॉ. राजेंद्र खैरनार
15. हिमांशु जोशी का कथा साहित्य - डॉ.अनिल साळुंखे

*****

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-502-MJM

Tittle of Course : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					3				
CO 2		3							
CO 3									
CO 4	3					2			
CO 5					3	3			
CO 6						3			
CO 7						3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO4-गद्य विधाओं को पढ़कर लेखन क्षमता विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO2- छात्रों में साहित्य के द्वारा मानवीय मूल्य विकसित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO5-गद्य विधाओं में चित्रित हिंदी की अन्य भाषा तथा बोली से परिचित करना।

CO1- पढ़ी-सुनी रचनाओं को जानने समझने तथा अभिव्यक्त करने में सहायता मिलेंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO4-गद्य विधाओं को पढ़कर लेखन क्षमता विकसित होंगी।

CO5-गद्य विधाओं में चित्रित हिंदी की अन्य भाषा तथा बोली से परिचित करना।

CO6-गद्य विधाओं को पढ़कर राष्ट्रप्रेम तथा राष्ट्रभक्ति विकसित होंगी।

CO7- गद्य विधाओं को पढ़कर भावग्रहण तथा रस ग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.] SEMISTER – I

Major –भारतीय साहित्यशास्त्र

PAPER CODE :HIN-503-MJM

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	: M.A. Hindi
Program Code	**: PAHIN**
Class	: M.A. -I
Semester	:I
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**:भारतीय साहित्यशास्त्र**
Course Code	**: HIN-503-MJM**
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A)उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
2. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतो का ज्ञान कराना।
4. साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से छात्रों को अवगत कराना।
5. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित कराना।
6. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य-वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
7. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

B)अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

CO2-छात्र साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO3-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO4-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होंगे।

CO5-छात्र साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित होंगे।

CO6-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य-वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान से परिचित होंगे।

CO7-साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में संशोधन की दृष्टि विकसित होगी।

पाठ्यक्रम

Major –भारतीय साहित्यशास्त्र

PAPER CODE :HIN-503-MJM

इकाई नं.1 : अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

1. रस सिद्धांत:रस का स्वरूप, भरतमुनि का रससूत्र, रस के अवयव (अंग), रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक तथाअभिनव गुप्त द्वारा की गई व्याख्याओं का विवेचन, साधारणीकरण की अवधारणा, करुण रस का आस्वाद।

इकाई नं.2 : अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

2. अलंकार सिद्धांत: अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा,स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार और रस,काव्य में अलंकार का स्थान।

3. रीति सिद्धांत:

रीति शब्द की व्युत्पत्ति, रीति की परिभाषा, रीति संप्रदाय, रीति भेद, रीति और गुण, रीति और शैली।

इकाई नं.3 : अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

4. ध्वनि सिद्धांत: ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्द-शक्ति, ध्वनि सिद्धांत का महत्व।

इकाई नं.4 : अध्ययनार्थ विषय : 15 तासिकाएं

5. वक्रोक्ति सिद्धांत:वक्रोक्ति की परिभाषा, आचार्य कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेदों कासोदाहरण परिचय, वक्रोक्ति का महत्व।

6. औचित्य सिद्धांत:औचित्य का स्वरूप, आचार्य क्षेमेन्द्र पूर्व औचित्य विचार, आचार्य क्षेमेन्द्र काऔचित्य विचार, औचित्य के भेद, अन्य सिद्धांतों के संदर्भ में औचित्य का महत्व।

संदर्भ ग्रंथ:

1. काव्यशास्त्र की रूपरेखा- डॉ. रामदास भारद्वाज
2. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. कृष्णदेव शर्मा
3. काव्यशास्त्र - डॉ.भगीरथ मिश्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. विजयपाल सिंह

5. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य-चिंतन- डॉ.सभापति मिश्र
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन- डॉ. बच्चन सिंह
7. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. सुरेशकुमार जैन. प्रा. महावीर कंड़ारकर
8. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
9. रीतिकाव्य की भूमिका- डॉ. नगेंद्र
10. भारतीय काव्यशास्त्र-(खंड़-1 और 2)-आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
12. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. तेजपाल चैधरी
13. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र- प्रो. हरिमोहन
14. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
15. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. जालिंदर इंगळे
16. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. कृष्णदेव झारी

****

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-503-MJM

Tittle of Course : भारतीय साहित्यशास्त्र

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					2	3			
CO 2					1	3			
CO 3								3	
CO 4					3	3			
CO 5					3	3			
CO 6					3	3			
CO 7	3								
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO7-साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में संशोधन की दृष्टि विकसित होगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO1-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

CO2-छात्र साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO4-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होंगे।

CO5-छात्र साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित होंगे।

CO6-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य-वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

CO2-छात्र साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO4-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होंगे।

CO5-छात्र साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित होंगे।

CO6-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य-वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO3-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[MA] प्रथम सत्र [SEMISTER – I]

MJM –अनुवाद : सिद्धांत और स्वरुप

PAPER CODE :HIN -504-MJM

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	**: B.A. Hindi**
Program Code	**: MAHN**
Class	**: M.A.**
Semester	**: I**
Course Type	**: SEC**
Course Name	**: अनुवाद: सिद्धांत और स्वरुप**
Course Code	**: HIN -504-MJM**
No. of Lectures	**: 30**
No. of Credits	**: 02**

A) *उद्देश्य (CourseObjectives) :*

1) अनुवाद का सामान्य परिचय कराना।
2) अनुवाद प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी को मार्गदर्शन कराना।
3) छात्रों को अनुवाद का महत्व बताना।
4) अनुवाद के उपयोगी विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी देना।
5) छात्रों को हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक अनुवाद संबंधी मार्गदर्शन करना।
6) शिक्षार्थी को अनुवाद कार्य के लिए योग्य बनाना।
7) छात्रों को हिंदी-मराठी-अंग्रेजी तीन भाषाओं पर प्रभुत्व प्राप्त कराने के लिए मार्गदर्शन करना।

B) *अपेक्षित परिणामCourseOutcomes:*

CO1- छात्र अनुवाद की सामान्य जानकारी से परिचित होंगे।

CO2-अनुवाद प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी समझा सकेंगे ।

CO3- छात्र अनुवाद का महत्व बतायेंगे ।

CO4- छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की आवश्यकता से अवगत होंगे ।

CO5- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक अनुवाद से परिचित होंगे।

CO6- शिक्षार्थी को अनुवाद कार्य करने योग्य बन जायेंगे ।

CO7- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं तीन भाषाओं पर प्रभुत्व प्राप्त करेंगे ।

पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र [SEMISTER – I]

अनुवाद : सिद्धांत और स्वरुप

PAPER CODE :HIN -504-MJM

इकाई नं.1: 1. अनुवाद: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप। — 10 तासिकाएं

2.अनुवाद की आवश्यकता ।

इकाई नं.2 : 1.अनुवादप्रक्रिया - पाठपठन, विश्लेषण, भाषांतरण, समायोजन, स्त्रोत पाठ से तुलना। — 10 तासिकाएं

2. अनुवाद का महत्व : उपयोगिता एवं व्याप्ति।

इकाई नं.3 : 1. अनुवादक के गुण — 10 तासिकाएं

2. दो भाषाओं में अंतर - शब्दावली, पदरचना, अर्थ ।

(हिंदी-मराठी और हिंदी-अंग्रेजी के संदर्भ में)

संदर्भ ग्रंथ :

1) अनुवाद चिंतन - डॉ. अर्जुन चव्हाण
2) अनुवाद समस्याएं और संदर्भ - प्रा. बलवंत जेऊरकर
3) कार्यालयीन हिंदी एवं कार्यालयीन अनुवाद तकनीक - डॉ. सुरेश माहेश्वरी
4) अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग - भोलानाथ तिवारी
5) अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्णकुमार गोस्वामी
6) अनुवाद रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार
7) अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ - डॉ. श्रीनारायण समीर।
8) ई-अनुवाद और हिंदी - हरिशकुमार सेठी।

******

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN -504-MJM

Tittle of Course : अनुवाद : सिद्धांत और स्वरुप

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					2	3			
CO 2					2	3			
CO 3					3	3			
CO 4					1	3			
CO 5					3	3			
CO 6	2				3	3		2	
CO 7					2	3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO6- शिक्षार्थी को अनुवाद कार्य करने योग्य बन जायेंगे ।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO1- छात्र अनुवाद की सामान्य जानकारी से परिचित होंगे।

CO2-अनुवाद प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी समझा सकेंगे ।

CO3- छात्र अनुवाद का महत्व बतायेंगे ।

CO4- छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की आवश्यकता से अवगत होंगे ।

CO5- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक अनुवाद से परिचित होंगे।

CO6- शिक्षार्थी को अनुवाद कार्य करने योग्य बन जायेंगे ।

CO7- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं तीन भाषाओं पर प्रभुत्व प्राप्त करेंगे ।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- छात्र अनुवाद की सामान्य जानकारी से परिचित होंगे।

CO2-अनुवाद प्रक्रिया, सैद्धांतिक पक्ष, समस्या, भेद आदि से शिक्षार्थी समझा सकेंगे ।

CO3- छात्र अनुवाद का महत्व बतायेंगे ।

CO4- छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की आवश्यकता से अवगत होंगे ।

CO5- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक अनुवाद से परिचित होंगे।

CO6- शिक्षार्थी को अनुवाद कार्य करने योग्य बन जायेंगे ।

CO7- छात्र हिंदी-मराठी-अंग्रेजी भाषाओं तीन भाषाओं पर प्रभुत्व प्राप्त करेंगे ।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO6- शिक्षार्थी को अनुवाद कार्य करने योग्य बन जायेंगे ।

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.] SEMISTER – I

Electives– विशेष साहित्यकार : कबीर

PAPER CODE :HIN-511-MJE

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A. -I

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -I**
Semester	**:I**
Course Type	**: Electives**
Course Name	**:विशेष साहित्यकार : कबीर**
Course Code	**: HIN-511-MJE**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) *उद्देश्य (Course Objectives) :*

1. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत करना।
2. कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
3. छात्रों को कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
4. छात्रों को कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।
5. कबीर की काव्य भाषा का परिचय देना।
6. कबीर के साहित्य में चित्रित नैतिक मूल्यों का परिचित करना।
7. कबीर के रहस्यवाद और दार्शनिकता रूबरू करना।

B) *अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):*

CO1-कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

CO2-छात्र तत्कालीन परिस्थितियों से परिचित होंगे।

CO3-कबीर की काव्य भाषा से परिचित होंगे।

CO4-छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।

CO5-छात्रों की काव्य के प्रति रुचि बढ़ेगी।

CO6-कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत होंगे।

CO7-हिंदी साहित्य में कबीर के महत्व से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम

Electives– विशेष साहित्यकार : कबीर

PAPER CODE :HIN-511-MJE

पाठ्यग्रंथ : कबीर ग्रंथावली - संपादक: श्यामसुंदर दास
प्रकाशक: नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

इकाई नं.1 :ससंदर्भ व्याख्या के लिए निम्नलिखित पद — 15 तासिकाएं

1.गुरुदेव कौ अंग: 4, 20, 26, 34 = 04
2.सुमिरण कौ अंग: 4, 5, 9, 25 = 04
3.विरह कौ अंग: 3, 18, 21, 45, = 04
4.निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग: 2, 3, 9, 14 = 04

इकाई नं.2 :ससंदर्भ व्याख्या के लिए रचनाएँ: — 15 तासिकाएं

5.निंद्या कौ अंग: 2, 3, 4, 8 = 04
6.पद: 1, 40, 43, 59, 156, 180, 198, 251, 274, 290 = 10

इकाई नं.3 :अध्ययनार्थ विषय: — 15 तासिकाएं

1. निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि: संत कबीर
2. कबीर: व्यक्तित्व एवं कृतित्व
3. कबीर के धार्मिक विचार
4. कबीर काव्य में विद्रोह
5. समाज सुधारक के रूप में कबीर

इकाई नं.4 :अध्ययनार्थ विषय: — 15 तासिकाएं

6. कबीर का पे्रम तत्व और विरह भावना
7. कबीर का रहस्यवाद
8. कबीर के राम
9. कबीर की दार्शनिकता- ब्रहम , जीव, माया, जगत, मोक्ष
10. कबीर की उलटबासियाॅ और प्रतीक पद्धति
11. कबीर काव्य की प्रासंगिकता

संदर्भ ग्रंथ:

1. कबीर: हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. कबीरः संपा. विजयेंद्र स्नातक
3. कबीर की विचारधारा: डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
4. कबीर साहित्य की परंपरा: आ. परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर चितंन और सर्जन: संपा. आनंदप्रकाश दीक्षित
6. कबीर: एक विवेचन: डॉ. सरनामसिंह शर्मा ‘अरुण’
7. नाथ और संत साहित्य: डॉ. नागेंद्रनाथ उपाध्याय
8. हिंदी संतों का उलटबाँसी साहित्य: डॉ. रमेशचंद्र मिश्रा
9. कबीर साधना और साहित्य: डॉ.प्रतापसिंह चैहान
10. कबीर एक अनुशीलन: डॉ. रामकुमार वर्मा
11. युग पुरुष कबीर: रामचंद्र वर्मा
12. कबीर वचनामृत: संपा. डॉ. विजेंद्र स्नातक, डॉ. रमेशचंद्र मिश्र

*****

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-511-MJE

Tittle of Course : विशेष साहित्यकार : कबीर

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					2	3			
CO 2			2						
CO 3					2	3			
CO 4		3							
CO 5					2	3			
CO 6					3	3			
CO 7					3	3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO4-छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO2-छात्र तत्कालीन परिस्थितियों से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO1-कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

CO3-कबीर की काव्य भाषा से परिचित होंगे।

CO5-छात्रों की काव्य के प्रति रुचि बढ़ेगी।

CO6-कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत होंगे।

CO7-हिंदी साहित्य में कबीर के महत्व से परिचित कराना।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

CO3-कबीर की काव्य भाषा से परिचित होंगे।

CO5-छात्रों की काव्य के प्रति रुचि बढ़ेंगी।

CO6-कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत होंगे।

CO7-हिंदी साहित्य में कबीर के महत्व से परिचित कराना।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.] SEMISTER – I

RM-अनुसंधान प्रविधि

PAPER CODE :HIN-521-RM

[2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme	: M.A. Hindi
Program Code	: **PAHIN**
Class	: M.A. -I
Semester	:I
Course Type	: **RM**
Course Name	:**अनुसंधान प्रविधि**
Course Code	: **HIN -521-RM**
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1.छात्रों को अनुसंधान की प्रविधि से परिचित कराना।

2.अनुसंधान की प्रक्रिया से बोध कराना।

3.अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।

4.वस्तुनिष्ठ पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।

5.साहित्यिक अनुसंधान के विविध क्षेत्रों से अवगत कराना।

6.अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक की उपयोगिता से अवगत कराना।

7.अनुसंधान के मूलतत्वों को समझना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):

CO1-अनुसंधान से छात्रों में ज्ञानदृधि बढ़ेगी।

CO2-छात्रों में निरिक्षण प्रयोग करने की क्षमता विकसित होगी।

CO3-छात्र शोध के आधार पर मानवीय स्थिति को सुधार ने का प्रयास करेगा।

CO4-लेखन मनन वाचन की क्षमता विकसित होगी।

CO5-अनुसंधान तथ्य सिद्धांत आदि से छात्र परिचित होगा।

CO6-छात्रों में सर्वेक्षण की क्षमता बढ़ेगी।

CO7-छात्रों में जिज्ञासा विकसित होगी।

पाठ्यक्रम
अनुसंधान प्रविधि
प्रथम सत्र[SEMISTER – I]
PAPER CODE :HIN-521-RM

इकाई -1	1. अनुसंधान स्वरूप, महत्व, व्याप्ति। 2.अनुसंधान और आलोचना 3.अनुसंधान के मूल तत्व 4.अनुसंधान - उद्देश्य	15 तासिकाएं
इकाई - 2.	1.अनुसंधान के प्रकार 2.विषय निर्वाचन 3.सामग्री संकलन 4.अनुसंधाता के गुण	15 तासिकाएं
इकाई - 3.	1.अनुसंधान की प्रविधियाँ 2.हिंदी अनुसंधान से संबधित विषयोंकी भूमिका 3.साहित्यिक अनुसंधान - समस्याऍ	15 तासिकाएं
इकाई-4.	1.साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग 2.साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग 3.शोध प्रविधि में कंप्युटर, इंटरनेट की उपयोगिता	15 तासिकाएं

संदर्भ ग्रंथ :

1.अनुसंधान : स्वरूप एवं प्रविधि - डॉ. राम गोपाल शर्मा
2. शोध- प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा
3. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया - डॉ. एस. एन. गणेशन
4. हिंदी शोध तंत्र रुपरेखा **-** डॉ. मनमोहन सेहगल
5. शोध -संस्कृति - डॉ. संजय नवले

*****

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-521-RM

Tittle of Course : अनुसंधान प्रविधि

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1	3							3	
CO 2					2	3			
CO 3		3	3						
CO 4					2	3			
CO 5	3							3	
CO 6					2	3			
CO 7					2	3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO1-अनुसंधान से छात्रों में ज्ञानदृधि बढ़ेगी।

CO5-अनुसंधान तथ्य सिद्धांत आदि से छात्र परिचित होगा।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO3-छात्र शोध के आधार पर मानवीय स्थिति को सुधार ने का प्रयास करेगा।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO3-छात्र शोध के आधार पर मानवीय स्थिति को सुधार ने का प्रयास करेगा।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO2-छात्रों में निरिक्षण प्रयोग करने की क्षमता विकसित होगी।

CO4-लेखन मनन वाचन की क्षमता विकसित होगी।

CO6-छात्रों में सर्वेक्षण की क्षमता बढ़ेगी।

CO7-छात्रों में जिज्ञासा विकसित होगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO2-छात्रों में निरिक्षण प्रयोग करने की क्षमता विकसित होगी।

CO4-लेखन मनन वाचन की क्षमता विकसित होगी।

CO6-छात्रों में सर्वेक्षण की क्षमता बढ़ेगी।

CO7-छात्रों में जिज्ञासा विकसित होगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO1-अनुसंधान से छात्रों में ज्ञानदृधि बढ़ेगी।

CO5-अनुसंधान तथ्य सिद्धांत आदि से छात्र परिचित होगा।